अमृत विचार

बरेली महानगर

www.amritvichar.com

बरेली , मंगलवार, 11 नवंबर 2025

सुविचार

व्यक्ति को हानि, पीड़ा और चिंताएं, उसकी किसी आंतरिक दुर्बलता के कारण होती हैं, उस दुर्बलता को दूर करके कामयाबी मिल सकती है। -

स्वामी रामतीर्थ

बरेली के प्रमुख समाचार

- सफाई व्यवस्था बेपटरी, चार दिन से डोर टू डोर कूड़ा उठान बंद-II
- जीवित प्रमाणपत्र जमा करने को पेंशनधारकों की जुटी भीड़ -III
- राष्ट्रीय वालीबॉल प्रतियोगिता: खिलाड़ी आज से दिखाएंगे दम-IV

दिल्ली में धमाके के बाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट

दिल्ली में लाल किला के पास धमाके के बाद शहर में भी पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड में दिखा। रेलवे स्टेशन पर फोर्स के साथ चेकिंग कराते एडीजी रमित शर्मा, डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य। इस दौरान बसों में सामान की तलाशी ली गई। वहीं, बटलर प्लाजा रोड पर खानपान की दुकानों पर रोज की तरह ग्राहकों की भीड़ दिखी।

दिल्ली धमाके के बाद जिले में अलर्ट, सड़कों पर उतरे अफसर

पुलिस-प्रशासनिक अफसरों ने रेलवे स्टेशन समेत कई स्थानों पर चलाया चेकिंग अभियान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम हुए धमाके के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। हाई अलर्ट की घोषणा होते ही जिले भर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस और प्रशासनिक अफसरों ने सड़क पर उतर कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एडीजी, डीएम, एसएसपी तक सड़कों पर उतरे। पुलिस के आला अफसरों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टॉप समेत भीड़-भाड़ वाले चौक-चौराहों पर कड़ी गश्त की। साथ ही एक-एक वाहनों की चेकिंग की। इस दौरान बम स्क्वॉड समेत डॉग स्क्वॉड की टीम भी पूरी तरह से मुस्तैद दिखी।

दिल्ली में हुए धमाके के बाद

जंक्शन पर जांच करता डॉग स्क्वॉड।

जनपद में खुफिया विभाग समेत पुलिस की टीमें पूरी तरह से अलर्ट हो गई हैं। जिले की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एडीजी रमित शर्मा, डीआईजी अजय कुमार साहनी, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा समेत आला अफसरों ने सोमवार की शाम को सभी प्रमुख स्थानों रेलवे स्टेशन,

- **बम और डॉग स्क्वॉड की टीमें भी रहीं मुस्तैद, अधीनस्थों को शिथिलता न बरतने के निर्देश**

बस स्टैंड, बाजार और सार्वजनिक स्थलों चौक चौराहों पर खुद पहुंच कर निरीक्षण करते हुए पुलिस का पहरा बढ़ा दिया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने स्वयं सुरक्षा की कमान संभाल ली है।

उन्होंने भारी पुलिस बल के साथ शहर के प्रमुख इलाकों का पैदल भ्रमण किया। साथ ही पुलिस टीमों को सतर्क रहने और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों व वस्तुओं पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था को किसी भी कीमत पर बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। जिले भर में सभी थाना प्रभारी भारी पुलिस फोर्स के साथ अपने-अपने इलाके में गश्त कर रहे हैं। अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। रेलवे स्टेशन, बाजार और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुलिस हर स्थिति से निपटने को तैयार है। वहीं, जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में सुरक्षा में शिथिलता न बरती जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर फौरन कार्रवाई की जाए। एडीएम सिटी सौरभ दुबे भी मौजूद रहे।

एक करोड़ रुपये के लालच में साथी एमबीबीएस छात्र को किया अगवा

संवाददाता, बरेली/फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में रविवार को एक मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के तृतीय वर्ष के छात्र को उसके दो क्लास मित्रों ने बाहर के दो लोगों के साथ मिलकर कार में अपहरण कर लिया। देर रात तक छात्र के हॉस्टल न पहुंचने पर जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर हरकत में आई पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर बदमाशों तक पहुंचती कि गिरफ्तारी की डर से पहले ही बदमाश कार को पिथुपुरा रोड पर छोड़ कर फरार हो गए। पुलिस कार मालिक के साथ ही दोनों एमबीबीएस छात्रों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार दिल्ली हाईवे पर टोल के पास स्थित मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के तृतीय वर्ष के छात्र गौरव के बैंक खाते में करोड़ रुपये होने की चर्चा के कारण उसकी क्लास के दो साथियों के मन में खोट

- **सहपाठियों ने बाहरी बदमाशों संग अगवा मेडिकल छात्र के खाते से रुपये निकलवाने का बनाया दबाव**

आ गया। दोनों दोस्तों ने बाहर के दो लोगों के साथ मिलकर रविवार को दिन में घूमने का बहाना बनाते हुए कार में बिठाकर उसे अपने साथ ले गए। इस दौरान चारों ने उसे जंगल में ले जाकर उसे डराना धमकाना शुरू कर दिया। आरोप है कि इसके बाद उसके बैंक खाते से रुपये निकालने का दबाव बनाया, लेकिन छात्र के खाते में करोड़ नहीं बल्कि, 80 हजार रुपये ही थे। उन्होंने दबाव देकर उसे निकलवाने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल नेटवर्क काम करने के कारण वह रुपये निकल नहीं पाया। इस पर सभी ने अगले दिन रुपये निकलवाने की योजना बनाई।

उधर, तीनों छात्र देर रात तक कॉलेज के हॉस्टल में नहीं पहुंचे तो कालेज परिसर में हड़कम मच गया। कॉलेज प्रशासन ने फौरन मामले की सूचना पुलिस को दी। हरकत में आई स्थानीय पुलिस और एसओजी समेत सर्विलांस की टीम भी लगाई गई। छात्रों के मोबाइल की लोकेशन को आधार बना कर जब पुलिस टीम ने उनका पीछा किया तो पकड़े जाने की डर से गौरव को छोड़ कर सभी फरार हो गए।

पुलिस ने गौरव से लंबी पूछताछ की। पुलिस ने कुछ देर बाद उसके दोनों साथियों को भी हिरासत में ले लिया। जबकि, बाहर के दोनों बदमाश गिरफ्तारी की डर से पिथुपुरा रोड पर कार छोड़कर भाग गए। कार को कब्जे में लेकर उसके पंजीकरण नंबर से पुलिस कार मालिक के घर दस्तक देकर उसे हिरासत में लिया। हालांकि कार मालिक ने किसी और को कार देने की बात बताई। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच गंभीरता से कर रही है। सीओ हाईवे शिवम आशुतोष ने बताया कि हिरासत में लिए गए संदिग्ध लोगों से पूछताछ चल रही है। पीड़ित छात्र की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

सिटी ब्रीफ

वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति की बैठक आज

बरेली, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति की बैठक की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंगलवार को विकास भवन में सभापति डॉ. रतनपाल सिंह की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में बदायूं और बरेली के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन, ग्रेच्युटी और अन्य देयकों के भुगतान की स्थिति पर चर्चा होगी। समिति जनवरी 2022 से अक्टूबर 2025 के मध्य सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के मामलों की समीक्षा करेगी, जिसमें नवीन पेंशन योजना के अंतर्गत कटौती न होने, नोशनल वेतन वृद्धि, वृद्धावस्था-विधवा पेंशन के लंबित मामले, बिजली-पानी से संबंधित मामले, भवनों के मानचित्र की स्वीकृति और भूमि सीलिंग संबंधी मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में समिति के 25 सदस्य शामिल होंगे, जो विभिन्न विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेंगे और लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश देंगे। समिति शाम पांच बजे मुरादाबाद के लिए रवाना हो जाएगी।

सरसों का बीज नहीं बांटने पर पांच गोदाम प्रभारियों पर कार्रवाई

बरेली, अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने सरसों का बीज किसानों को नहीं बांटने पर पांच गोदाम प्रभारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी की है। इनमें मीरगंज के प्रभारी चंद्रसेन, रामनगर के प्रभारी यज्ञदेव शर्मा, मझगवां के सुनील सिंह, आलमपुर के रवि शंकर और बिथरी चैनपुर के सोमपाल शामिल हैं। इन गोदाम प्रभारियों पर आरोप है कि उन्होंने उच्च उपज वाली प्रजाति के सरसों के बीज को किसानों को नहीं बांटा, जिससे किसानों को नुकसान हुआ है।

न्यायिक अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले

बरेली, अमृत विचार : उच्च न्यायालय ने अधिसूचना जारी कर सेशन जजों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। सत्र न्यायालय में तैनात एडीजे रामानन्द को स्पेशल जज एंटी करप्शन, तबरेज अहमद को एडीजे, अभय श्रीवास्तव के स्थान पर अमृता शुक्ला को स्पेशल जज ईसी एक्ट कोर्ट, अभय श्रीवास्तव को एडीजे, विजेन्द्र त्रिपाठी को स्पेशल जज एससी/एसटी एक्ट बनाया है। कुमारी अफशां को एडीजे, एडीजे प्रथम निकुंज मित्तल को पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, प्रयागराज (दक्षिण) नियुक्त किया गया है।

12 बीघा में बस रही अवैध कॉलोनी को किया ध्वस्त

अवैध कॉलोनी को ध्वस्त करती बीडीए की टीम। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बीडीए के तमाम प्रयासों के बाद भी शहर में अवैध निर्माण पर अंकुश नहीं लग रहा है। इज्जतनगर क्षेत्र में 12 बीघा में बसाई जा रही अवैध कॉलोनी को बीडीए की टीम ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया।

बीडीए के सहायक अभियंता धर्मवीर सिंह ने बताया कि गांव कुमराह में रवि पटेल लगभग 12 बीघा क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के भूखंडों का चिह्नांकन, सड़क, नाली और चहारदीवारी विकसित कर अवैध कालोनी का निर्माण और विकास कार्य कराया जा रहा था। जिसको बीडीए की टीम ने ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने बताया कि उप्र नगर योजना व विकास अधिनियम के तहत किसी भी व्यक्ति द्वारा निर्माण या प्लाटिंग करने से पहले बरेली विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराना अनिवार्य है। बिना मानचित्र स्वीकृत कराए प्लाटिंग करना या भवन निर्माण करना पूरी तरह से अवैध है।

राजकीय निर्माण निगम का कार्यालय शिफ्ट होना शुरू

बरेली, अमृत विचार : सीएमओ कार्यालय के नए भवन के निर्माण कार्य शुरू होने की कवायद तेज हो गई है। शासन से पहली किस्त मिलते ही 300 बेड अस्पताल परिसर स्थित राजकीय निर्माण निगम का कार्यालय शिफ्ट होने लगा है।

अधिकारियों के अनुसार सीएमओ कार्यालय के स्थानांतरण प्रस्ताव को चार महीने पहले शासन ने मंजूरी दी। वहीं नए भवन निर्माण को लेकर चार करोड़ का बजट भी स्वीकृत किया। बीते दिनों एक करोड़ की पहली किस्त जारी कर दी गई है। बजट मिलते ही 300 बेड अस्पताल में प्रस्तावित भूमि मुख्य द्वार से दायीं ओर निर्धारित की गई है। वर्तमान में यहां राजकीय निर्माण निगम (आरएनएन) का कार्यालय बना है, लेकिन सोमवार से कार्यालय वन स्टॉप सेंटर के पास खाली भूमि पर शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हालांकि अभी गोदाम को शिफ्ट किया जा रहा है। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि निर्माण को लेकर प्रक्रिया आरंभ कर दी गई हैं।

ठंड में सब्जियों के भाव 'गर्म', जेब पर बढ़ा बोझ

- **दूसरे राज्यों से सब्जियों की आवक कम और लोकल में उत्पादन घटने से बढ़ रहे दाम**
- **बाजार में हरी मटर , गाजर, टमाटर, धनिया समेत कई सब्जियों के भाव आसमान छू रहे**

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सर्दी का मौसम शुरू होते ही अक्सर सब्जी सस्ती हो जाती है, मगर इस बार स्थित उलट है। सब्जियों का बाजार गर्म हो गया है। मटर, टमाटर, गाजर, शिमला मिर्च आदि सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। इससे रसोई का बजट गड़बड़ाने के साथ लोगों की जेब पर भी बोझ बढ़ गया है। दाम बढ़ने की वजह दूसरे प्रदेश से सब्जियों की आवक कम होने और स्थानीय स्तर पर उत्पादन घटना बताया जा रहा है।

पिछले साल इन्हीं दिनों में प्रति किलो गाजर 20 से 25 रुपये में बिक रही थी, मगर अब 70 रुपये प्रति किलो बिक रही है। इसी तरह मटर, टमाटर, मिर्च आदि सब्जियों के दाम भी काफी बढ़ गए हैं। बैगन, शिमला, बींस की फली आदि लेने में ग्राहकों को एक बार सोचना पड़ रहा है। डेलापीर मंडी एसोसिएशन के अध्यक्ष शुजाउर्रहमान बताते हैं कि इस बार बाढ़ और बारिश की वजह से सब्जी उत्पादन पर असर पड़ा है। उत्पादन घटने से स्थानीय मंडी

एलन क्लब मंडी में जानकारी देते सब्जी विक्रेता अभिषेक। ● अमृत विचार

में सब्जी की लोकल फसल पिछले कुछ दिनों से कम पहुंच रही है। भिंडी और तोरई तो लगभग खत्म है। वहीं, दूसरी ओर पंजाब, नासिक समेत दूसरे प्रदेशों से भी डेलापीर मंडी में सब्जियों की आपूर्ति मांग के अनुसार नहीं होने के कारण सब्जियों के भाव चढ़े हुए हैं। महाराष्ट्र, बंगाल, पंजाब समेत दूसरे राज्यों से डेलापीर थोक मंडी में रोज 25 से 30 गाड़ियां सब्जी और फल लेकर पहुंच रही हैं।

सब्जियों के फुटकर दाम

हरी मटर 200, टमाटर 40, गोभी 25, पत्ता गोभी 25, लौकी 50, बैगन 30, मेथी 80, आलू 20, प्याज 30, खीरा 40, धनिया 80, बींस फली 120, शिमला मिर्च 60 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है।

-बीते एक सप्ताह से मंडी में सब्जियों की आवक कम हो गई है। इस समय टमाटर नासिक से आ रहा है। पंजाब में मटर की फसल बाढ़ के कारण खराब हो गई है। इसलिए दाम आसमान छू रहे हैं। उत्तराखंड से शिमला मिर्च, फूलगोभी, हरा धनिया आदि सब्जियां नहीं आ पा रही हैं। अभी कुछ दिनों तक दाम कम होने की संभावना न के बराबर है।

-अंकित, सब्जी विक्रेता एलन क्लब सब्जी मंडी

लोकल में आवक कम होने से सब्जियों के दाम बढ़े हैं। शादियों के पीक सीजन में सब्जियों के दाम बढ़ने पर लोग भी सोच समझकर खरीदारी कर रहे हैं। गाजर, मटर, शिमला मिर्च के दाम अभी और चढ़ने के आसार हैं। फिलहाल, अभी हरी सब्जियों के दाम और चढ़ सकते हैं।

- अभिषेक, सब्जी विक्रेता, एलन क्लब सब्जी मंडी

फर्जीवाड़े पर लगेगा अंकुश | मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में पात्रता के लिए तीन स्तर पर की जाएगी आवेदन पत्रों की जांच

तीन बार होगा सत्यापन, शादी के लिए फिर माने जाएंगे पात्र

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा की गुंजाइश न रहे, इसलिए शादियां कराने के लिए मांगे गए आवेदनों की जांच तीन बार कराई जाएगी। इसके बाद ही जोड़े को पात्र माना जाएगा। ब्लॉक स्तर पर चल रहे सत्यापन में अभी तक 521 जोड़े अपात्र मिले हैं।

जिले में इस बार योजना के तहत 910 शादियां कराने का लक्ष्य रखा गया। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटियों की शादी पर

- **ब्लॉक स्तर पर चल रहे सत्यापन में अभी तक 521 जोड़े मिले अपात्र**

एक लाख रुपये खर्च किए जाते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर ने बताया कि ब्लॉक स्तर पर दो बार सचिव, एडीओ पंचायतों को सूची भेजकर सत्यापन कराया जाएगा। इसके बाद तीसरी जांच जिला स्तरीय कमेटी बनाकर कराई जाएगी। इसमें सत्यापन में कोई अपात्र या शादी शुदा मिलता है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

अब नवंबर के अंतिम सप्ताह में होगा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह

कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम अविनाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जनपद स्तरीय समिति की बैठक हुई। इसमें डीएम ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों से आए आवेदन पत्रों की टीम बनाकर जांच कराने और और जिस ग्राम पंचायत से पांच या उससे अधिक आवेदन आए हैं। उसकी दोहरी जांच कराने के निर्देश दिए। यह भी स्पष्ट किया कि 18 और 19 नहीं अब नवंबर के अंतिम सप्ताह में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह आयोजित होगा। बैठक में सीडीओ देवयानी के अलावा समस्त खंड विकास अधिकारी व नगर निकयों के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

15 विकास खंडों से 1073 आवेदन जांच के लिए लंबित

जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर ने बताया कि 10 नवंबर 2025 तक योजना के लिए 1775 आवेदन आए हैं। इनमें 521 अपात्र हैं। इसके अलावा 15 विकास खंडों से 1073 आवेदन जांच के लिए लंबित हैं। इस पर दूल्हा और दुल्हन की हाजिरी बायोमीट्रिक सत्यापन से होगी। आलमपुर जाफराबाद में 31, बहेड़ी में 78, भदपुरा में 96, भोजीपुरा में 85, भुता में 163, बिथरी चैनपुर में 51, फरीदपुर में 8, फतेहगंज पश्चिमी में 88, क्यारा में 39, मझगवां में 41, मीरगंज में 26, नवाबगंज में 41, रामनगर में 79, रिछा में 103 और शेरगढ़ में 144 आवेदन जांच के लिए लंबित हैं।

विकास में तीसरे पर, पारदर्शिता में बरेली अव्वल

बरेली, अमृत विचार : पारदर्शी कार्यप्रणाली, विकास एवं राजस्व कार्यों में तेजी से कार्य करने के चलते बरेली ने फिर से प्रदेश में मजबूत पहचान दर्ज कराई है। सोमवार को जारी की गई सीएम डैश बोर्ड की रैंकिंग में विकास में तीसरे और पारदर्शिता में बरेली की रैंकिंग अव्वल आई है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी अक्टूबर की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में बरेली जिले को विकास कार्यक्रमों में प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। बरेली ने न सिर्फ विकास योजनाओं में बल्कि ओवरऑल रैंकिंग में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के नेतृत्व में जिले ने यह

- **सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग : विकास कार्यक्रमों में पारदर्शिता और रफ्तार से बढ़ा जिले का प्रदर्शन**

उपलब्धि हासिल की। डीएम ने समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह रैंकिंग सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। अधिकारी एवं कर्मचारी इसी निष्ठा और गति से काम करते रहें, ताकि बरेली प्रदेश में शीर्ष पर बना रहे। सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों में चल रही योजनाओं, परियोजनाओं और सेवाओं का प्रतिमाह अनुश्रवण व समीक्षा की जाती है। प्रत्येक माह इंटीग्रेटेड विभागों के अधिकारियों के कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है। सितंबर माह की अक्टूबर में जारी हुई रैंकिंग में जिला 26 नंबर पर था।

शाहजहांपुर दूसरे बदायूं और पीलीभीत ने भी सुधारी स्थिति

सीएम डैशबोर्ड की अक्टूबर की रैंकिंग के अनुसार शाहजहांपुर पांचवें, बदायूं आठवें और पीलीभीत 18वें स्थान पर रहे। राजस्व कार्यक्रमों में शाहजहांपुर दूसरे पायदान पर पहुंचा, जबकि बरेली सातवें, बदायूं 12 वें और पीलीभीत 17 वें स्थान पर रहे। राजस्व और विकास कार्यों के सम्मिलित मूल्यांकन में बरेली ने तीसरा स्थान हासिल किया।

हर तरफ से निराश गुप्त रोगी मिलें
SEXOLOGIST
बचपन की गलतियां
आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त
ताकत
व
रुकावट
प्राप्त करें
शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
डायबिटीज

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीध्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीध्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, घात, शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

YouTube पर Search करें
डा.
शेख
भारत प्रसिद्ध
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
बरेली
9837023223

सफाई व्यवस्था बेपटरी, चार दिन से डोर टू डोर कूड़ा उठान बंद

सोमवार दोपहर तक घरों से कूड़ा उठान न होने से लोग रहे परेशान, कई मोहल्लों में डलाव घरों में भी लगे रहे कूड़े के ढेर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : नगर निगम कर्मचारियों और एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद के बाद निगम कर्मचारियों की शुरू हुई हड़ताल रविवार को नगर आयुक्त और एससी-एसटी आयोग के सदस्य के समझाने पर खत्म हो गई, लेकिन शहर की सफाई व्यवस्था सोमवार को भी बेपटरी ही नजर आई। शहर के कई मोहल्लों में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन न होने से लोग परेशान नजर आए। वहीं कुछ डलाव घरों से भी कूड़ा नहीं उठाया गया है।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने रविवार को ही हड़ताल खत्म कराने के साथ ही शहर के सभी सफाई कार्य तत्काल प्रभाव से आरंभ करने के निर्देश दिए थे, लेकिन शहर के एक दर्जन से अधिक मोहल्लों में सोमवार को भी डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन नहीं हुआ। बीते तीन दिनों से घरों से कूड़ा कलेक्शन न होने से लोगों में आक्रोश है। घरों में कूड़ा जमा होने से दुर्गंध फैल रही है। इससे लोग परेशान हो रहे हैं।

आजमनगर में डलावघर के बाहर कूड़ा पड़ा होने से रास्ता बंद हो गया। ● अमृत विचार

कटरा चांद खां में वार्ड से कूड़ा इकट्ठा कर डलावघर में डालते कर्मचारी। ● अमृत विचार

इन इलाकों में नहीं उठा कूड़ा

शहर के पुराना शहर, बदायूं रोड स्थित विकास नगर, मॉडल टाउन, सुभाष नगर के मढ़ीनाथ, शांति विहार, आलमगिरी गंज, मुंशी नगर, रामायण वाटिका कालोनी, सैलानी समेत एक दर्जन से अधिक इलाकों में सोमवार को निगम की टीम कूड़ा उठाने के लिए नहीं पहुंची। लोगों ने निगम अधिकारियों से इस बाबत शिकायत भी दर्ज कराई है। लेकिन सोमवार को देर शाम तक भी टीमें इन इलाकों में नहीं पहुंची।

इन इलाकों में उठा कूड़ा

हालांकि अधिकांश इलाकों में जहां कूड़े का कलेक्शन के लिए टीमें नहीं पहुंचीं, लेकिन शहर के किला, बिहारीपुर, कुतुबखाना, रामपुर गार्डन, आवास विकास कॉलोनी, रोहलीटोला, श्यामगंज इलाके में नगर निगम की टीमें चौराहों से भी कूड़ा उठाती नजर आईं वहीं इन इलाकों के मोहल्लों से भी डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन हुआ है।

हड़ताल में दिया साथ, गंदगी के आगोश में शहर

शहर में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन की जिम्मेदारी निजी एजेंसी को दी गई है, लेकिन निगम में तीन दिन चली निगम कर्मचारियों की हड़ताल में इस एजेंसी के कर्मचारी भी शामिल हो गए। इसके चलते डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन भी नहीं किया गया। हालांकि ऐसा करना नियमों का उल्लंघन है।

- हड़ताल खत्म होने के बाद भी बेपटरी नजर आ रही सफाई व्यवस्था
- कुछ मोहल्लों में ही नजर आए डोर-टु-डोर कूड़ा कलेक्शन के वाहन
- डलावघर के बाहर कूड़ा फैलने से रास्ता भी हुआ बंद

कूड़ा उठाने के लिए तीन दिन से टीम नहीं आई है। हड़ताल के चलते आम जन को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। हड़ताल खत्म होने के बाद तो टीमों को आना चाहिए था। – **आलोक सिंह,** निवासी शांति विहार

हड़ताल खत्म होने के फौरन बाद ही सभी सफाई कार्य आरंभ करने के लिए निर्देशित किया गया था, अगर कुछ इलाकों में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन को टीमें नहीं गई हैं तो संबंधित एजेंसी से जवाब तलब किया जाएगा।

– **संजीव कुमार मौर्य,** नगर आयुक्त

लोगों की बात

तीन दिन से निगम की टीम कूड़ा लेने के लिए नहीं आई है। घरों से निकला कूड़ा अन्य किसी स्थान में नहीं फेंक सकते हैं। काफी परेशानी हो रही है।

– **अजय,** निवासी विकास नगर

कूड़ा न उठने से घर में दुर्गंध फैल रही है, कई बार स्थानीय पार्षद से भी शिकायत की। उन्होंने टीम आने की बात कहकर टाल दिया।

– **रंजीत,** निवासी बंशी नगला

तीन दिन के बाद सोमवार को सुबह टीम कूड़ा लेकर गई है, जिससे काफी राहत है। मोहल्ले से भी कूड़ा उठाने वाले वाहन दोपहर में नजर आए।

– **मोहित सिंह,** निवासी, बिहारीपुर

सिटी ब्रीफ

तमंचा लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : बारादरी पुलिस ने रविवार देर रात वाहन चेकिंग के दौरान रोहली टोला निवासी मोहम्मद माहिर (30) को एक तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि रविवार देर रात पुलिस ने गश्त के दौरान आरोपी को रेलवे ग्राउंड में पेड़ के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी पर पहले से ही अलग-अलग थानों में कुल चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि वह नशे करने का आदी है। वह पहले भी कई बार जेल जा चुका है। जिसके कारण उसकी कई लोगों से रंजिश चल रही है। इसलिए वह विरोधियों को डराने के लिए अपने पास तमंचा रखता था।

फर्जी आईडी बनाकर महिला का नंबर किया वायरल, रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में किसी ने महिला के नाम से फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाई और उसपर महिला के फोटो का इस्तेमाल किया। उसने आईडी पर महिला का नंबर लिखकर गलत कमेंट लिख दिए। महिला का फोटो और नंबर वायरल हो गया। महिला के पति ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रामगंगानगर निवासी युवक ने बताया कि उसकी पत्नी का फोटो लगाकर किसी ने फेसबुक पर फर्जी आईडी बना ली है। फेसबुक पर पत्नी का नंबर लिखकर गलत कमेंट किया गया है। जिस कारण पत्नी का नंबर वायरल हो रहा है। घटना से पत्नी मानसिक तनाव में आ गयी है।

सुभाषनगर क्षेत्र से किशोर लापता

बरेली, अमृत विचार : सिलाई सीखने टेलर के पास गया किशोर खाना खाने घर आया लेकिन कहीं लापता हो गया। सुभाषनगर थाने में किशोर के पिता ने गुमशुदगी दर्ज कराई है। करगैना निवासी चरन सिंह ने बताया कि उनका पुत्र अंकित सागर सिलाई सीखने करेली रोड पर स्थित शकील टेलर की दुकान पर जाता है। वह 8 नवंबर को टेलर की दुकान से खाना खाने घर आया और कपड़े बदलकर चला गया, तब से अंकित का कुछ पता नहीं चल रहा है। पुलिस अंकित की तलाश कर रही है।

रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमले में शामिल आरोपी रिहा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- 2007 में कैंप पर हुआ था आतंकी हमला, सात जवान हुए थे शहीद
- जंग बहादुर के साथ सजा काट रहे मुहम्मद शरीफ की रुकी रिहाई

अमृत विचार : हाईकोर्ट के आदेश पर रामपुर के सीआरपीएफ कैंप पर वर्ष 2007 में हुए हमले के आरोप से बरी हुए जंग बहादुर खान उर्फ बाबा को सोमवार शाम सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। जंगबहादुर अपने परिजनों के साथ घर के लिए रवाना हुआ। जबकि, उसके साथ सजा काट रहे आतंकी मुहम्मद शरीफ को जुर्माना की धनराशि जमा न करने के कारण अभी भी जेल में रहना होगा। जुर्माने के 20 हजार रुपये जमा होने के बाद उसे भी जेल से रिहा कर दिया जाएगा।

जंग बहादुर खान उर्फ बाबा।

रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर साल 2007 में आतंकी हमला हुआ था। इसमें सात जवान शहीद हो गए थे। जबकि, गेट पर मौजूद एक रिक्शा चालक की भी मौत हुई थी। वहीं, पांच अन्य लोग घायल हुए थे। आतंकवादियों ने कैंप पर गोलीबारी के साथ ग्रेनेड फेंक कर भी हमला किया था। आतंकी हमले में वर्ष 2019 में रामपुर के अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने रामपुर निवासी मोहम्मद शरीफ, बिहार के सबाउद्दीन उर्फ सहाबुद्दीन, कश्मीर के इमरान शहजाद और पाकिस्तान के मोहम्मद फारूख को मौत की सजा सुनाई थी। जबकि, मुरादाबाद के जंग बहादुर खान उर्फ बाबा को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। मोहम्मद कौसर और गुलाब खान को बरी कर दिया गया था। इस आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता लश्कर का आतंकी सैफुल्लाह 18 मई को पाकिस्तान में मारा जा चुका है। बाकी के सभी आरोपी फरवरी 2008 से जेल में ही बंद थे। इसमें से जंगबहादुर व मुहम्मद शरीफ को बरेली सेंट्रल जेल भेजा गया था। बाकी के सभी दोषियों को लखनऊ जेल में बंद किया गया था। इसी साल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को निचली अदालत के सुनाए गए फैसले को पलट दिया। दोषियों की मौत और उम्रकैद की सजा रद्द कर दी थी, लेकिन शस्त्र अधिनियम की धारा 25 में 10 साल की कैद व प्रत्येक को एक लाख रुपये जुर्माने की सजा बरकरार रखी थी।

कोर्ट ने सजा को जेल में बंद रहे दिनों से समायोजित करने का निर्णय दिया था। इसके हिसाब से दोषियों को अब रिहा होना था। सेंट्रल जेल में ई-मेल के माध्यम से शनिवार को परवाना भेजा गया। सेंट्रल जेल के जेलर नीरज कुमार ने बताया कि सोमवार की शाम को जंग बहादुर खान उर्फ बाबा को रिहा किया गया है। मुहम्मद शरीफ की जुर्माना राशि जमा होने के बाद उसे भी रिहा किया जाएगा।

रुपये भेजने का फर्जी मेसेज भेज कर युवती से 90 हजार ठगे

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में एक युवती को ठग ने रुपये भेजने का फर्जी मेसेज भेज कर अपने रुपये वापस मांगे। युवती ने ठग के झांसे में आकर उसे 90 हजार रुपये भेज दिए। बैंक खाता चेक करने पर पता चला कि उसके खाते में कोई रुपये नहीं आए थे, जिसके बाद ठगी का अहसास हुआ और तीन ठग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

हनुमान गढ़ी मंदिर के पास रहने वाली काजल त्यागी ने बताया कि उनके मोबाइल पर 4 नवंबर को एक अंजान नंबर से मेसेज आया। मेसेज में बताया गया कि काजल के खाते में कुछ रुपये धोखे से आ गए हैं। इसके बाद नंबर से बार-बार काल और मेसेज आए। उन्होंने बिना बैलेंस चेक किए पिता के खाते से 50 हजार रुपये मनोज और बहन के खाते से विमला के खाते में 40 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। उन्होंने 1930 पर काजल ने शिकायत की और सुभाषनगर थाने में भी रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। रकम होल्ड कराने का प्रयास कर रहे हैं।

बिल्डर चरनपाल सोबती समेत चार पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जातिसूचक शब्द इस्तेमाल कर गाली गलौज करने का भी आरोप
- सीओ तृतीय के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की जांच

अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र के रहने वाले बिल्डर चरनपाल सिंह सोबती समेत चार लोगों के खिलाफ सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव के आदेश पर पुलिस ने धोखाधड़ी, जातिसूचक शब्द इस्तेमाल कर गाली गलौज करने का आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। साथ ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर जाकर मौके का निरीक्षण किया। आरोपी के खिलाफ इसके पहले भी बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

कोतवाली थाना क्षेत्र के बिहारीपुर निवासी आकाश पुष्कर ने बताया कि बिल्डर चरनपाल सिंह सोबती, उनकी फर्म के प्रबंधक अंजू रंधावा व अनूप कुमार पांडेय, कर्मचारी सुदर्शन और कुछ अज्ञात लोग लगातार उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। साथ ही बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी डॉ. सुषमा गौड़ियाल के नाम से बीस साल पहले गोल्डन ग्रीन पार्क में मकान खरीदने का सौदा सोबती बिल्डर्स से किया था। उन्होंने करीब 8.32 लाख रुपये का भुगतान सोबती के कर्मचारियों को दिया था। इसकी उन्हें पक्की रसीद नहीं देकर कच्चा कागज दिया गया। असली रसीद मांगने पर बहानेबाजी की गई। बताया गया कि आयकर से बचने के लिए ऐसा किया जाता है। कई साल बाद उनकी सोबती से मुलाकात हुई तो बताया गया कि उनका केवल 50 हजार रुपये ही मिल सका है। इसके लिए उन्होंने कई साल कानूनी लड़ाई लड़ी। तब सोबती ने पूरी रकम मिलने की बात स्वीकार की। फिर इन लोगों ने उनसे मकान देने के नाम पर पहले 18 लाख और दोबारा में 54 लाख रुपये की मांग की। आरोप लगाया कि सोबती व उनके साथियों ने उनसे गालीगलौज व जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाने के सामने सूखे नाले में मिला युवक का शव

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बारादरी थाने के सामने एक युवक का शव सूखने नाले में मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया लेकिन युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी पहचान के प्रयास कर रही है।

बारादरी थाना प्रभारी धनजंय पांडे ने बताया कि सोमवार को थाने के सामने एक युवक का शव बरामद हुआ। शव की काफी पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन नहीं हो सकी। जिसके बाद शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। 72 घंटे तक अगर शव की पहचान न हो पाई तो शव का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस अंतिम संस्कार किया जाएगा। उधर घटना स्थल के आस-पास मौजूद लोगों से पूछताछ में सामने आया कि युवक नशेड़ी था। वह स्मैक के नशे में अक्सर गंगापुर से लेकर शहामतगंज तक घूमता रहता था। रविवार की देर रात सूखे नाले के किनारे आग जलाकर बैठा था हो सकता है कि इसी दौरान वह नाले में गिर गया हो और उसकी मौत हो गई हो।

मौके पर जांच करती पुलिस।

- पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, नहीं हो सकी पहचान

प्रेमिका से रुपये हड़पने वाला किया गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना पुलिस ने एक युवक को प्रेमिका से रुपये हड़पने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहल्ला आजाद नगर नवादा शेखान निवासी कृष्णांशु सिंह के रूप में हुई है। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि 7 नवंबर को मंजू गंगवार निवासी सुरेश शर्मा नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि उनकी बेटी से आरोपी कृष्णांशु सिंह ने दोस्ती कर काफी रुपये हड़प लिए। अब रुपये न देने पर गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसकी युवती से इंस्ट्राग्राम पर बातचीत शुरू हुई। उसके बाद दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई। आरोपी को शेयर मार्केट में रुपये लगाने की लत है। शेयर मार्केट में रुपये डूबने पर उसे रुपयों की जरूरत थी, जिसके कारण उसने युवती से रुपये लिए थे।

राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व सदस्य की कार का शीशा तोड़कर पर्स चोरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पर्स में 15 लाख के जेवर और 20 हजार रुपये थे, रिपोर्ट

अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में नैनीताल हाईवे स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर खड़ी पूर्व राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य शमीना शफीक की कार से चोर ने शीशा तोड़कर पर्स उड़ा दिया। पर्स में करीब 15 लाख रुपये के कीमती गहने और 20 हजार रुपये नकद थे। पुलिस अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आस-पास में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

सीतापुर के सिविल लाइंस निवासी राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व सदस्य शमीना शफीक ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ जयपुर गई थीं। वहां से घूमते हुए नैनीताल पहुंची। वहां से रविवार रात वह सीतापुर लौट रहीं थीं। नैनीताल

पीड़ित शमीना शफीक।

हाईवे पर इज्जतनगर इलाके में स्थित चस्का रेस्टोरेंट पर परिवार समेत खाना खाने के लिए उन्होंने कार रोकी। उन्होंने कार को लॉक कर पार्किंग में खड़ा किया और सभी रेस्टोरेंट के अंदर चले गए। करीब आधे घंटे बाद जब वह वापस बाहर आईं तो उनकी कार का शीशा टूटा हुआ था और अंदर रखा बैग गायब था। बैग में करीब 15 लाख रुपये के कीमती गहने और 20 हजार रुपये नकद थे। बैग गायब देख उन्होंने फौरन पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में कार में घुसने के भी निशान मिले हैं। पुलिस ने रेस्टोरेंट समेत आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। थाना प्रभारी बिजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वारदात को बेहद प्लानिंग के साथ अंजाम दिया गया है। संभावना है कि चोरों ने रेस्टोरेंट में पहुंचने से पहले ही कार को ट्रैक किया हो या पार्किंग में निगरानी रखी हो। पुलिस फिंगरप्रिंट समेत अन्य तकनीकी साक्ष्यों के जरिए आरोपी तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

सख्ती — जनपद में प्रत्येक माह में दागे जा रहे लगभग सात हजार कारतूस, शस्त्र बेचने वालों को देना पड़ रहा गोलियों को ब्योरा

एक-एक गोली का मांगा हिसाब, कट्टों में भरकर कलेक्ट्रेट पहुंच रहे खोखे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जिले में 48 हजार शस्त्र लाइसेंस 22 दुकानें, प्रत्येक माह कराना पड़ता खोखों का सत्यापन
- एसडीएम और सीओ के सत्यापन के बाद शस्त्र कारोबारियों को कारतूस बेचने की अनुमति

अमृत विचार : शस्त्र धारकों को एक-एक कारतूस का हिसाब देना पड़ रहा है। दागे कारतूस का खोखा देने पर ही शस्त्र विक्रेता लाइसेंसधारक को उतने ही कारतूस बेच रहे हैं। इन खोखों को एकत्र करने के बाद शस्त्र विक्रेताओं को कट्टों में भरकर कलेक्ट्रेट के शस्त्र अनुभाग में जमा करना पड़ रहा है। जनपद में हर माह करीब सात हजार कारतूस दागे जा रहे हैं। इन खोखों के सत्यापन के बाद ही शस्त्र विक्रेताओं को नए कारतूस बेचने की अनुमति दी जाती है।

कारतूसों की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए शासन ने बहुत सख्ती कर रखी है। एसडीएम और सीओ हर माह शस्त्र विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर रजिस्टर चेक कर रहे हैं। शस्त्र विक्रेताओं की ओर से भेजे गए कारतूसों के खाली खोखों से भरे कट्टों का कलेक्ट्रेट के शस्त्र अनुभाग में ढेर लगा हुआ है। जानकारी करने पर अफसरों ने बताया कि प्रत्येक माह शस्त्र विक्रेता दागे हुए कारतूसों के खोखों को कट्टों में भरकर जमा करते हैं, कुछ दिन पहले कट्टे आए हैं। प्रत्येक माह में करीब सात हजार कारतूस जनपद में दागे जा रहे हैं। एक-एक कारतूस का हिसाब-किताब शस्त्र विक्रेताओं को देना पड़ रहा है। जनपद में करीब 48 हजार शस्त्र हैं, लेकिन जब से नियम सख्त हुए हैं तब से बड़ी संख्या में लोग हर्ष फायरिंग करना भूल गए हैं। तीन साल पहले कारतूसों का हिसाब-किताब वर्तमान की तरह नहीं लिया जाता था, तब शस्त्र धारक बड़ी संख्या में कारतूस खरीदते थे।

घर पर फायरिंग के बाद अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता ने पिस्टल का बनवाया लाइसेंस

बरेली : गैंगस्टर गोल्डी बराड़ द्वारा फायरिंग कराने के बाद अभिनेत्री दिशा पाटनी के परिजन डरे हुए हैं। इस वारदात के बाद अभिनेत्री के पिता सेवानिवृत्त सीओ जगदीश पाटनी ने परिवार की सुरक्षा के मद्देनजर पिस्टल का लाइसेंस बनवाया है। कलेक्ट्रेट के शस्त्र अनुभाग के अफसरों ने बताया कि जगदीश पाटनी ने पिस्टल का लाइसेंस बनवाया है। इस हाईप्रोफाइल वारदात में अभिनेत्री के घर फायरिंग करने वाले दो बदमाश एनकाउंटर में मारे गए थे।

शस्त्र अनुभाग में कट्टों में भरे रखे कारतूस के खोखे।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

सप्लाई लाइन में पंप लगा पानी खींचने वालों को नोटिस जारी करें

बरेली, अमृत विचार : डीएम अविनाश सिंह ने सोमवार शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन (हर घर जल) कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। जिसमें डीएम को बताया गया कि गांव-गांव में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है, लेकिन कुछ स्थानों पर लोग सप्लाई लाइन में पंप लगाकर पानी खींच लेते हैं, जिससे आगे की आपूर्ति बाधित होती है। डीएम ने ऐसे लोगों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए, ताकि योजना का लाभ प्रत्येक घर तक निर्बाध रूप से पहुंच सके। डीएम ने निर्देश दिए कि जिन कर्मियों को सत्यापन कार्य के लिए भेजा जा रहा है, वह वास्तव में गए हैं या नहीं, इसकी भी जांच कराएं। बैठक में बताया गया कि जहां ओवरहैड टैंक का निर्माण कार्य प्रगति पर है, वहां अस्थायी रूप से डायरेक्ट पंप के माध्यम से जल आपूर्ति की जा रही है। डीएम ने रोड रेस्टोरेशन के कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए। जिन ग्रामीणों ने पूर्व में जल कनेक्शन नहीं लिए थे और अब लेने के इच्छुक हैं तो उन्हें शीघ्र कनेक्शन उपलब्ध कराएं। सीडीओ देवयानी, अधिशासी अभियंता जल निगम कुमकुम गंगवार आदि संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

केबी त्रिपाठी बने कांग्रेस के पश्चिमी जोन कॉर्डिनेटर

बरेली, अमृत विचार : कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. केबी त्रिपाठी को हाईकमान ने नई जिम्मेदारी देते हुए पश्चिमी जोन उत्तर प्रदेश का कॉर्डिनेटर बनाया है। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष जिया उर रहमान ने बताया कि डॉ. के बी त्रिपाठी की सक्रियता को देखते हुए राहुल गांधी के प्रारंभ किए गए नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम के तहत उन्हें जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. केबी त्रिपाठी ने नई जिम्मेदारी मिलने पर शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह से पूर्व में जो जिम्मेदारियां निभाई है, उसी तरह से पूरी लगन और निष्ठा के साथ नई जिम्मेदारी को निभाऊंगा। जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी, महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा, कृष्णकांत शर्मा, जिया उर रहमान, कमरुद्दीन सैफी, उल्फत सिंह कटेरिया, राजन उपाध्याय, नाहिद सुल्तान, इलियास अंसारी, तबरेज खान, सुरेश वाल्मीकि, मोहिद सिद्दीकी, रामपाल माली, पाकीज खान, सैयद सफदर अली ने बधाई दी है।

जीवित प्रमाणपत्र जमा करने को पेंशनधारकों की जुटी भीड़

कहीं पेंशन न रुक जाए, इस डर से दो दिन की छुट्टी के बाद कोषागार पहुंचे सैकड़ों पेंशनधारक, भीड़ बढ़ी तो सीटीओ ने संभाली व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : अक्टूबर माह की पेंशन न रुक जाए, इस डर से पेंशन धारक जीवित प्रमाणपत्र जमा करने के लिए परिजनों के साथ कोषागार पहुंच रहे हैं। दो दिन की छुट्टी के बाद सोमवार सुबह से सैकड़ों की संख्या में पेंशनधारक परिजनों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कोषागार पहुंच गए। कोषागार में बुजुर्गों की भीड़ जुटने की जानकारी मिलते ही मुख्य कोषाधिकारी आनन-फानन में कार्यालय पहुंचे और सौ कुर्सियां मंगवाकर डलवाईं ताकि बुजुर्ग पेंशनधारकों को दिक्कत न हो।

कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार कार्यालय सोमवार को दो दिन के अवकाश के बाद खुला तो पेंशनधारकों का पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। दोपहर दो बजे तक इतने पेंशनधारक पहुंच गए कि कोषागार कार्यालय में पैर रखने की जगह नहीं बची। किसी तरह कर्मचारियों ने स्थिति संभाली। मुख्य कोषाधिकारी शैलेश कुमार ने बताया कि पेंशनधारकों की भीड़ देखकर कोषागार के पूरे स्टाफ को अन्य कार्य छोड़कर सिर्फ पेंशनधारकों के फार्म भरवाने और जमा कराने में लगा दिया। तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भी बुजुर्गों की देखरेख में लगा दिए।

जनपद में करीब 26 हजार पेंशन धारक हैं। इसमें से 22 हजार पेंशनधारकों को रेगुलर पेंशन जारी होती है। उन्होंने बताया कि पेंशन धारक जीवित प्रमाणपत्र किसी भी महीने में जमा कर सकते हैं। उनके लिए नवंबर माह में ही जीवित प्रमाणपत्र जमा करना जरूरी नहीं है। जिस महीने में कर्मचारी या अधिकारी सेवानिवृत्त हुए हैं, उस महीने में भी जमा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जीवित प्रमाणपत्र जमा करने के लिए ऑनलाइन सुविधा भी दी गई है। पेंशनधारक किसी भी जनसेवा केंद्र से ऑनलाइन जीवित प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। यदि कोई दिक्कत हो रही है तो उन्हें बताएं, समस्या का निदान कराया जाएगा। पेंशनधारक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यालय आ सकते हैं।

जीवित प्रमाणपत्र जमा करने के लिए कोषागार में लगी पेंशनरों की भीड़। ● अमृत विचार

कोषागार में फार्म भरते पेंशनर। ● अमृत विचार

- सौ कुर्सियां मंगवाकर पेंशनधारकों के बैठने के इंतजाम कराये

80 पद स्वीकृत, महज 23 कर्मचारी तैनात

मुख्य कोषाधिकारी ने बताया कि बरेली कोषागार में लिपिकों के 80 पद स्वीकृत हैं, इसके सापेक्ष वर्तमान में 23 कर्मचारी ही हैं। इसमें भी तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं। एक बाबू दिसंबर में सेवानिवृत्त होने वाला है। इतनी कम संख्या में कर्मचारियों के होने की वजह से कई बार दिक्कत झेलनी पड़ती है। चार दिन से बड़ी संख्या में पेंशनधारक आ रहे हैं। उन्हें कोई दिक्कत न हो इसके लिए पूरे स्टाफ को इसी कार्य में लगाया है।

कोई वॉकर तो कोई छड़ी के सहारे पहुंचा

सोमवार को बड़ी संख्या में ऐसे पेंशनधारक पहुंचे, जो चलने-फिरने में मजबूर थे। कोई वॉकर का सहारा लेकर पहुंचा तो कोई छड़ी के सहारे। ज्यादातर पेंशनधारक अपने बेटा या बेटी के साथ पहुंचे थे। स्टाफ ने परिसर में स्थिति संभाली तो मुख्य कोषाधिकारी ने उन पेंशनधारकों के फार्म जमा किए जो दूरदराज से कारों से पहुंचे और कोषागार तक नहीं आ सकते थे।

जीवित प्रमाणपत्र ऑनलाइन जमा होने में दिक्कत इसलिए कोषागार पहुंच रहे पेंशनधारक

पेंशनधारकों को जीवन प्रमाण पोर्टल या मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की सुविधा दी गई है, लेकिन ऑनलाइन जीवन प्रमाणपत्र जमा होने में दिक्कत हो रही है। यही वजह है कि पेंशनधारक कोषागार पहुंच रहे हैं। लोहाघाट और नोएडा तक से पेंशनधारकों ने ऑनलाइन फार्म जमा करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर वह कोषागार पहुंचे थे।

पर्चा काउंटर पर बुजुर्गों की लाइन में घुसे युवा, तकरार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिला अस्पताल के पर्चा काउंटर पर बुजुर्गों की लाइन में कई युवा घुस गए। इसपर बुजुर्गों की उनसे नोकझोंक हुई। वहीं, लंबे समय के बाद दिव्यांगों के लिए सीएमओ कार्यालय का अतिरिक्त गेट खुलने से सहूलियत मिली।

अस्पताल में पर्चा काउंटर पर सुबह 8 बजे मरीजों की भीड़ दिखी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए पर्चा काउंटर आरक्षित है। उसके आगे भी बुजुर्गों की लाइन लगी थी। इस बीच कई युवा उनकी लाइन में घुस गए। इस पर बुजुर्गों ने एतराज जताया। उनके बीच नोकझोंक होने लगी। अन्य लोगों ने बीच-बचाव किया। ओपीडी में कुल 1574 नये रोगियों का पंजीकरण हुआ। जबकि 2 हजार के करीब पुराने रोगी भी इलाज के लिए पहुंचे।

चिकित्सकों के अनुसार मौसम में बदलाव के चलते वायरल बुखार, खांसी-जुकाम के साथ त्वचा रोगियों की संख्या अधिक रही। अस्पताल के मुख्य द्वार से बाहर जाने के लिए दिव्यांगों को काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही थी, लेकिन सोमवार को सीएमओ कार्यालय में अपर शोध अधिकारी कार्यालय के पास बने द्वार को खोल दिया गया। इससे शिविर में आने वाले दिव्यांग इस गेट से मुख्य मार्ग तक आसानी से जा सके। उधर, जिला महिला अस्पताल की ओपीडी में दोपहर 1 बजे के बाद ही सन्नाटा पसरा नजर आया।

जिला अस्पताल में पर्चा कांउटर पर लगी मरीजों की कतार। ● अमृत विचार

- जिला अस्पताल की ओपीडी में उमड़ी मरीजों की भीड़
- अतिरिक्त गेट खुलने से दिव्यांगों को मिली राहत

100 से ज्यादा मरीजों को लगी एंटी रैबीज वैक्सीन

तीन सौ बेड अस्पताल में एआरवी सेंटर पर मरीजों की भीड़ रही। 100 से अधिक मरीजों को एंटी रैबीज वैक्सीन लगाई गई। हालांकि, स्टाफ का दावा है कि बीते माह से मरीजों की संख्या में कमी आई है।

सीएचसी से गंभीर हालत में रेफर कर दी प्रसूता, इलाज के दौरान मौत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल में गंभीर हालत में सीएचसी से रेफर होकर पहुंची प्रसूता ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दो दिन पहले ही महिला का प्रसव हुआ था। परिजन प्रसव के दो घंटे बाद ही उसे घर लेकर चले गए थे। हालत बिगड़ने पर उसे दोबारा सीएचसी पर लेकर आए थे।

आंवला के गांव नगरिया निवासी रमनपाल ने प्रसव पीड़ा होने पर पत्नी नीरज को 9 नवंबर को आंवला सीएचसी में भर्ती कराया। 9 बजे मरीज का सुरक्षित प्रसव हुआ। जच्चा-बच्चा दोनों की हालत स्थिर थी। इस पर परिजनों उसे डिस्चार्ज कराकर दो घंटे बाद ही घर ले गए। 10 नवंबर को सुबह करीब चार बजे उसे रक्तस्राव होने लगा। परिजन दोबारा उसे लेकर सीएचसी पर पहुंचे। स्टाफ ने मरीज की हालत गंभीर देख जिला महिला अस्पताल रेफर कर दिया। सोमवार सुबह करीब 4 बजे मरीज जिला महिला अस्पताल के लेबर रूम में भर्ती किया गया। मरीज को गंभीर रक्तस्राव के साथ उल्टी और दर्द की समस्या थी। स्टाफ ने तुरंत इलाज शुरू कर दिया, मगर आधे घंटे बाद ही मरीज की सांसें थम गईं।

- आंवला सीएचसी से भेजा गया था जिला महिला अस्पताल
- प्रसव के दो घंटे बाद ही मरीज को कर दिया था डिस्चार्ज
- हालत बिगड़ने पर दोबारा परिजन लेकर आए थे अस्पताल

> मरीज की मौत की सूचना स्टाफ ने दी थी, मरीज की हालत काफी गंभीर थी, प्रसवोत्तर रक्तस्राव (पीपीएच) होने की आशंका डॉक्टर ने जताई है। हालांकि, डॉक्टर की सलाह पर ही मरीज को डिस्चार्ज कराना चाहिए था।
>
> -डॉ. त्रिभुवन प्रसाद, सीएमएस

नगर आयुक्त ने कान्हा गोशाला में व्यवस्थाओं का जायजा लिया

बरेली, अमृत विचार : बीते दिनों कान्हा गोशाला में गोवंशों की मौत का मामला उजागर होने के बाद नगर निगम के अधिकारियों ने निगरानी बढ़ा दी है। सोमवार सुबह 10 बजे नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने कान्हा गोशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गोवंशीय पशुओं की आहार सामग्री देखी और दी जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं की भी जांच की।

नगर आयुक्त ने गोशाला स्थित तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य का जायजा भी लिया। बाउंड्रीवॉल के निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच की और ठेकेदार को कार्य में लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी। उन्होंने गोशाला परिसर की स्वच्छता और रखरखाव पर विशेष ध्यान देने की बात कही। संबंधित विभागों को नियमित निरीक्षण कर जरूरी सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने बताया कि गोशाला में सीवर लाइन में लीकेज की भी शिकायत मिली थी, जिसको संबंधित अधिकारी को तुरंत दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

कान्हा गोशाला में नगर आयुक्त संजीव कुमार।

- डॉक्टरों से बीमार व कमजोर गोवंशों की जानकारी ली, बाउंड्रीवाल के निर्माण कार्य को भी देखा

दरगाह ताजुश्शरिया पर भी मनाया उर्स ए हामिदी

बरेली, अमृत विचार : 85 वां उर्स ए हामिदी काजी ए हिंदुस्तान मुफ्ती मुहम्मद असजद रजा खां कादरी की सरपरस्ती में दरगाह ताजुश्शरिया पर भी मनाया गया। देर रात तक उर्स का कार्यक्रम जारी रहा। जिसमें देशभर के उलमा शामिल हुए।

जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलमान हसन खान (सलमान मियां) ने बताया कि उर्स ए हामिदी में बाहर से आए उलमा ने शिरकत की। आसपास के जिलों के अकीदतमंद भी बड़ी संख्या में कुल शरीफ की रस्म में शामिल हुए।

उर्स का आगाज रविवार सुबह कुरानख्वानी से हुआ। रात में 9 बजे के बाद नातो मनकबत और उलमा की तकरीर हुई। मुफ्ती अब्दुल मुस्तफा हशमती रूदौलवी ने मसलके आला हजरत पर तकरीर की। जिसमें उन्होंने कहा कि जिसने लाखों लोगों के ईमान की हिफाजत की तो फिर हम इमाम अहमद रजा खां को आला हजरत क्यों न कहें। उन्होंने आला हजरत के बड़े बेटे हामिद रजा खां (हुज्जतुल इस्लाम) की जिंदगी पर रोशनी डाली। जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन खान (फरमान मियां) ने कहा कि उर्स ए हामिदी में दरगाह पर जायरीन की पूरे दिन गुलपोशी और हाजिरी के लिए भीड़ लगी रही। मुफ्ती शहजाद आलम मिस्बाही ने तकरीर में कहा कि कुरआन व हदीस से साबित है कि अल्लाह के वली से मदद मांगना जायज है।

मौलाना अब्दुल मुस्तफा, मुफ्ती अफजाल रजवी, सय्यद अजीमुद्दीन, मुफ्ती शकील रजा, मौलाना शाहिद, मौलाना शहजाद, सैय्यद फुरकान मियां, मौलाना शकील रामपुरी, मुफ्ती आजम मरकजी, मौलाना निजामुद्दीन, मुफ्ती जैद मरकजी, सैयद अबदाल हुसैन, मोइन रजा, नईम तहसीनी, मुजफ्फर रजा, डॉ. मेहंदी हसन, हाफिज इकराम रजा, शमीम अहमद, बख्तियार खान आदि मौजूद रहे।

- देर रात तक जारी रहा कार्यक्रम, देशभर के उलमा हुए शामिल

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
BAREILLY Excellence towards profession
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
विशाल चिकित्सा शिविर
हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग
यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक
समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं
रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 20/- रूपये
डॉक्टर द्वारा परमार्श मुफ्त
भर्ती एवं पलंग मुफ्त
भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त
भर्ती मरीजों की सामान्य जाँचें मुफ्त
डिलीवरी मुफ्त
भर्ती मरीजों का ब्रेन एमआरआई 1500/- में स्पाईन एमआरआई 2000/- में
भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउण्ड मुफ्त
भर्ती मरीजों का सी.टी. 20% की छूट पर एवं ईको 500/-में
भर्ती मरीजों की दवाईयाँ भारी छूट पर
रोहिलखण्ड हॉस्पिटल में इम्पैनल्ड संस्थायें
इम्पैनलमेंट संस्थाओं के नाम (कैशलेस-इलाज)
1. आयुष्मान भारत योजना
2. राष्ट्रीय अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम (NBCP)
3. हौसला साझेदारी (परिवार नियोजन)
4 – सी.ए.आई.आई. (CARI)
5. एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ESIC)
6. आई.वी.आर.आई. (IVRI)
7. कर्मचारी राज्य बीमा कारपोरेशन (ESIC)
8. बी.एस.एन.एल.
9. प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान
10. सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF)
11. सेंट्रल गर्वमेन्ट हैल्थ स्कीम
इम्पैनलमेंट टी.पी.ए. कंपनी (कैशलेस-इलाज)
1. एचडीएफसी एर्गो
2. एटिकसन इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड
3. सेफवे इंश्योरेंस टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड
4. रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस
5. आदित्य बिरला ग्रुप जनरल इंश्योरेंस कंपनी मिमिटेड
6. जेनिन्स इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड
9. युनिवर्सल सोम्पो जनरल इन्श्योरेन्स
10. एसबीआई इन्योरेन्स
11. आईसीआईसीआई लोम्बार्ड
12. रिलायन्स जनरल इन्योरेन्स कं. लि.
*इनवेजस रेडियोलॉजी की जाँचें छोड़ कर *T&C Apply
हैल्पलाइन नं. : 9520876140, 8534088093, 9520876145
इमरजेंसी भर्ती की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध अनुभवी डाक्टरों की देख-रेख में
एन.ए.बी.एच.* 'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था *एंट्री लेवल *TMC

नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ
डा. आरिफ हुसैन अन्सारी
M.B.B.S., M.S.
• Ex. Chief Resident-Sir J.J. Hospital Grant Medical College Mumbai
मिलने का समय
(सोमवार से शनिवार)
सुबह : 11 बजे से 3 बजे तक
शाम : 8 बजे से 9 बजे तक
नाक, कान व गला की एन्डोस्कोपी फ्री
सुविधायें
• नाक की टेढ़ी हड्डी को सही करना (Septoplasty)
• गले के बढ़े हुये टॉन्सिल का ऑपरेशन
• कान के फटे हुए पर्दे का ऑपरेशन (Tympanoplasty)
• थायराइड (घेंघा) का इलाज व ऑपरेशन
• दूरबीन द्वारा गले के कैंसर की जाँच व बायोप्सी
पता- बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, मालियों की पुलिया, बरेली
(सेटेलाईट बस अड्डा व शाहमतगंज चौराहे के बीच में)
सम्पर्क करें
94566 58250, 70785 69786

शहर में आज

- जीआईसी परिसर में राष्ट्रीय विद्यालयी वॉलीबाल प्रतियोगिता के मैच सुबह 9 बजे से और माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाबो देवी शुभारंभ करेंगी शाम 4 बजे।
- कृषि विभाग की कृषि यंत्रीकरण योजना के अंतर्गत विकास भवन के सभागार में लाटरी निकाले जाने का कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से।
- जयनारायण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में संस्कृति मंत्रालय की ओर से भातखंडे संगीत महाविद्यालय की प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका एवं संगीतज्ञ सुनंदा शर्मा का कार्यक्रम सुबह 9 बजे से।
- भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल बरेली की ओर से जीएसटी कार्यालय कैंट में वैट बकाया पर लगने वाले ब्याज को माफ कराने के संबंध में ज्ञापन देने का कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से।

राष्ट्रीय वालीबॉल प्रतियोगिता : खिलाड़ी आज से दिखाएंगे दम

पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में 15 नवंबर तक होगा आयोजन, तैयारी पूरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा विभाग और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आयोजन में बरेली को राष्ट्रीय स्कूल गेम्स वालीबॉल अंडर-17 बालक और बालिका वर्ग चैंपियनशिप की मेजबानी लगातार दूसरी बार मिली है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में हो रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ सुबह 9 बजे मैचों के साथ किया जाएगा। ओपनिंग सेरेमनी में शाम 4 बजे मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी शामिल होंगी।

प्रतियोगिता में देशभर की 70 टीमों के 836 खिलाड़ी मंगलवार से अपने राज्यों की प्रतिभा दिखाने वालीबॉल कोर्ट में उतरेंगे। इसमें बालक वर्ग में राज्यों से 23, केंद्र शासित प्रदेशों से 6 और यूनिट्स से 7 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। वहीं बालिका वर्ग में राज्यों से 22, केंद्र शासित प्रदेशों से 6 और यूनिट्स से भी 6 टीमें शामिल हो रही हैं। दोनों वर्गों की टीमों के साथ 146 टीम मैनेजर और कोच भी सम्मिलित होंगे। राजकीय इंटर कॉलेज में टीमों के आने का सिलसिला रविवार से ही शुरू हो गया था। सोमवार को भी सुबह से ही टीमों का आना शुरू हुआ जो देर रात तक जारी रहा। आने वाली टीमों को माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों की ओर से वेलकम किट दी गई। टीमों के लिए शहर में आने जाने के लिए 16 बसें, 6 टेंपों और 30 कारें उपलब्ध कराई गई हैं। प्रतियोगिता के लिए 5 कोर्ट बनाए गए हैं।

- **प्रतियोगिता में देशभर की 70 टीमों के 836 खिलाड़ी कर रहे हैं प्रतिभाग**

राष्ट्रीय विद्यालयीय वालीबॉल प्रतियोगिता में शामिल होने पहुंची लद्दाख की टीम। • अमृत विचार

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मिजोरम की टीम भी आ चुकी है। • अमृत विचार

प्रतियोगिता स्थल पर देर रात तक तैयारियां चलती रहीं। • अमृत विचार

टीमों के कोचों को वेलकम किट देते संयुक्त शिक्षा निदेशक और डीआईओएस।

सिटी ब्रीफ

बरेली के युसुफ बने पिच क्यूरेटर

बरेली, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से पिच क्यूरेटर के लिए वर्कशॉप का आयोजन हुआ था। बरेली क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से अगस्त में मो. युसुफ को वर्कशॉप में भाग लेने के लिए भेजा गया था। परीक्षा और साक्षात्कार में युसुफ ने सफलता प्राप्त की। बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक आदित्य मूर्ति, उपाध्यक्ष राजेंद्र मनोहर, सचिव सीताराम सक्सेना, सह सचिव व कोच ओपी कोहली, आदर्श तिवारी, कोच नितेश भारद्वाज, रोहित चौहान ने पिच क्यूरेटर बनने पर मो. युसुफ को बधाई दी है।

रात और दिन के तापमान में दो गुने से भी अधिक रह रहा अंतर

बरेली, अमृत विचार : जिले का मौसम दिन में कुछ और व रात में कुछ और हो जा रहा है। रात और दिन के तापमान में दोगुने से ज्यादा अंतर हो रहा है। दिन में तेज धूप खिलने से लोगों को गर्मी का अहसास हो रहा है और रात में तापमान कम होने से ठंड लगती है। जो लोग दिन में गर्मी की वजह से बाहर बिना गर्म कपड़े पहने निकल जाते हैं, उन्हें रात में ज्यादा दिक्कत होती है। सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम 11.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन की देखरेख कर रहे छात्र

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में चार्जिंग स्टेशन पर मौजूद विद्यार्थी।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: पेट्रोल की ऊंची कीमत और प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है लेकिन जितनी तेजी से वाहनों की संख्या बढ़ी है, उसके अनुपात में चार्जिंग स्टेशन की संख्या बहुत कम है।

इस दिशा में कदम उठाते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. केपी सिंह ने एक ई-वाहन और मोबाइल चार्जिंग स्टेशन का निर्माण करवाया है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के पास स्टूडेंट ई-कॉर्नर के पास ई-चार्जिंग स्टेशन शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय परिसर में पिछले दिनों चार ई-वाहनों को चलाने के लिए लिया गया है। यह ई-वाहन विश्वविद्यालय परिसर को प्रदूषण मुक्त रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

इस चार्जिंग स्टेशन से विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र भी जुड़े हैं जो इसके रखरखाव एवं अध्ययन के कार्य करते हैं।

क्रिकेट : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने एसएस कॉलेज को फाइनल में दी मात

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में रुहेलखंड विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालीय क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सोमवार को रुहेलखंड विश्वविद्यालय और एसएस कॉलेज की टीमों के मध्य हुआ, जिसमें रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने जीत हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा किया।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 विकेट खोकर 144 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए एसएस कॉलेज की टीम 18.1 ओवर में 122 रन ही बना सकी और रुहेलखंड ने 22 रनों से मैच जीत लिया। मैन आफ द मैच का खिताब पीयूष पटेल, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब मो. अलीउद्दीन और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब हर्षित माथुर को दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के क्रीड़ा सचिव प्रो. एसएस बेदी, विशिष्ट अतिथि पूर्व उपाध्यक्ष बीडीए केबी अग्रवाल, महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष राम प्रकाश अग्रवाल, अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम शंकर अग्रवाल, क्रीड़ा संयोजक गिरीश चंद्र अग्रवाल, केपी गोयल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, क्रीड़ाधिकारी धीरज अग्रवाल और स्पोर्ट्स कमेटी के सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित कर मैच शुरू किया। मैच में रेफरी और अंपायरिंग के रूप में अनुज चैहान, संदीप पाल और विराट यादव का योगदान रहा। क्रीड़ा समिति के सदस्यों में संचित कक्कड़, मयंक शर्मा, अजीत सिंह, प्रफुल्ल पाठक, रामलखन का योगदान रहा। मंच संचालन डॉ. रेशू जौहरी ने किया।

ट्राफी के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी, साथ में अतिथि व कोच। • अमृत विचार

- **महाराजा अग्रसेन कॉलेज में अंतर महाविद्यालीय क्रिकेट प्रतियोगिता**

ताइक्वांडो में पद्मावती के होनहारों ने जीते मेडल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल के विद्यार्थियों ने यूपी ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से सेक्रेड हार्ट पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जिले के कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में सक्षम पटेल, अक्षत गंगवार, काव्यांश पटेल, मनीष ने गोल्ड, चेसम रिहान, आरव पटेल, अहद अली, सक्षम यादव ने सिल्वर और कुनाल कश्यप, मोहसिन और मो. सुब्हान ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। कोच शिल्पी गंगवार और कपिल भाटिया के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने अनुशासन, मेहनत और खेल भावना का अद्भुत परिचय दिया। प्रिंसिपल ममता सक्सेना, वाइस प्रिंसिपल शिवानी सूरी और कोआर्डिनेटर वैशाली गुप्ता ने संयुक्त रूप से सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया और बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी लगन और सतत अभ्यास का परिणाम है।

विजेताओं के साथ प्रिंसिपल ममता सक्सेना व अन्य। • अमृत विचार

सिटी डायरी

टीकाकरण के प्रति लोगों को जागरूक किया

बरेली, अमृत विचार : फ्यूचर यूनिवर्सिटी में टीकाकरण दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को टीकाकरण के महत्व और उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। फ्यूचर अस्पताल की डॉ. निधि यादव और डॉ. रोहित यादव ने टीकाकरण के फायदे बताए। फ्यूचर हॉस्पिटल की पांच से सात टीमों ने अभियान चलाकर करीब चार हजार लोगों को टीकाकरण के प्रति जागरूक किया। आयोजन में फ्यूचर इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक साइंस के प्राचार्य बालकिशन सिंह, डॉ. निधि यादव, डॉ. रोहित यादव, डॉ. मयंक चौहान, अंशु मिश्रा, देवेंद्र कुमार, राम प्रवेश यादव एवं छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की भर्ती पर लगी रोक हटाने की मांग

बरेली, अमृत विचार : सिंचाई विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती पर लगी रोक हटाने समेत कई मांगों को उठाया है। इस संबंध में पदाधिकारियों ने सोमवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम कार्यालय में दिया। ज्ञापन में कहा कि चतुर्थ श्रेणी के मृतक आश्रितों को उनकी योग्यता के अनुसार पूर्व की तरह नियुक्ति प्रदान की जाए। रिक्त पदों पर भर्ती की जाए। पुरानी पेंशन बहाल करने के साथ निजीकरण की प्रकिया को समाप्त किया जाए। इस दौरान जिलाध्यक्ष विजेंद्र सिंह, जिला मंत्री भारत सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार, जिला उपमंत्री रोहित कुमार, कोषाध्यक्ष राजपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अधिवेशन में बरेली के निर्भय की पुस्तक का विमोचन

बरेली, अमृत विचार : अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में बरेली के सात साहित्यकार ब्रज प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुरेश बाबू मिश्रा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष उमेश चंद्र गुप्ता, प्रो. केए वार्ष्णेय, प्रमोद कुमार मिश्रा, निर्भय सक्सेना एवं गंगाराम पाल ने भाग लिया। निर्भय सक्सेना की पुस्तक का विमोचन भी किया गया। सोमवार को रीवा के कृष्णा राज ऑडिटोरियम के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में 28 प्रांतों के 1086 साहित्यकारों ने प्रतिभाग किया। परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीधर पराड़कर ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की। साहित्यकार सुशील चंद्र त्रिवेदी मधुपेश को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया। राष्ट्रीय महामंत्री साहित्यकार डॉ. पवन बादल को बनाया गया। नवीन राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 21 पदाधिकारी मनोनीत किए गए।

डॉ. हिमशिखा ने वंदे मातरम् का महत्व बताया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें डॉ. हिमशिखा यादव ने वंदे मातरम् के महत्व और स्वाधीनता संग्राम में इसके योगदान पर व्याख्यान दिया। इसके अलावा डॉ एकता सिंह ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में 75 छात्राओं ने भाग लिया। प्राचार्या प्रो. संध्या रानी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में शिक्षिकाएं और छात्राएं। • अमृत विचार

एनसीसी कैडेट्स ने निकाली रैली

कार्यक्रम में मौजूद एनसीसी कैडेट्स और अफसर। • अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार : 21 यूपी बटालियन बरेली कॉलेज में वंदेमातरम् की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में कई कॉलेजों और विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने रैली निकाली। इसके अलावा शपथ समारोह, गायन और पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

वंदे मातरम् थीम में प्रतियोगिताओं का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय चेतना एवं भारत के प्रति देशभक्ति और जागरूकता का उपदेश दिया गया। इस प्रतियोगिता में जीतने वाले सभी कैडेट्स को पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन 21 यूपी बटालियन एनीसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल देवाशीष सिंह एवं एडम ऑफिसर ले. कर्नल संजय नायर के दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की पूर्ण व्यवस्था सूबेदार मेजर प्रवीण नेगी, बीएचएम नरपत विश्नोई, सूबेदार लक्ष्मण, सूबेदार उम्मेद भंडारी और हवलदार हरसिंह ने की। एएनओ /सीटीओ डॉ. राघवेन्द्र रस्तोगी, ले. डॉ. रितेश चौरसिया, अरविंद कुमार, डॉ. अंचल बहेरी, डॉ. संदीप कुमार मौजूद रहे।

आयोजन | कथा के तीसरे दिन आचार्य रमाकांत दीक्षित ने वामन, प्रहलाद और ध्रुव चरित्र का किया वर्णन

अपने हक का त्याग रामायण व दूसरों के हक को छीनना महाभारत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : कृष्णा नगर कॉलोनी, दुर्गा नगर में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के तीसरे दिन सोमवार को कथा व्यास आचार्य रमाकांत दीक्षित ने कहा कि अपने हक का त्याग करना ही रामायण है और दूसरे के हक को छीनना महाभारत है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य के लिए केकैई ने दुनिया का अपयश लिया, उसी राज्य को भरत ने क्षण भर में त्याग कर मर्यादा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

आचार्य ने कहा कि भक्त प्रह्लाद और ध्रुव भक्ति, सत्य और विश्वास के प्रतीक हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी ईश्वर का नाम नहीं छोड़ा और यही सच्चे भक्त की पहचान है। बच्चों में अच्छे संस्कार भरने के लिए उनके जीवन चरित्र की कथा अवश्य सुनानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि संसार में प्राणी दो रस्सियों अहमता और ममता में बंधा है। मन जब संसार की ओर जाता है तो मोह में उलझता है और जब भगवान की ओर मुड़ता है तो मुक्ति का मार्ग दिखता है। इस अवसर पर वामन, प्रह्लाद व ध्रुव चरित्र का विस्तृत वर्णन किया गया। सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित नव कुण्डीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ में यज्ञाचार्य नीलेश मिश्रा के सानिध्य में साधकों ने राष्ट्र और समाज के मंगल की कामना करते हुए आहुतियां दीं।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, आरएसएस के पूर्व विभाग कार्यवाह सुरेश, बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के पूर्व चेयरमैन शिरीष मेहरोत्रा, अतुल मिश्रा, नरेंद्र सिंह, केशव शंखधार, कृष्णकांत दीक्षित, डॉ. एमएम अग्रवाल, राजीव शर्मा, अरुण शर्मा आदि उपस्थित रहे। कथा के दौरान भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे।

नव कुण्डीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ के दौरान पूजन करते यज्ञाचार्य। • अमृत विचार